कानपुर, सोमवार, 12 जनवरी, 2026 प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी
वर्षः 03, अंकः 15, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र
स्वराज इंडिया

इनसाइड ईरान में महिलाओं ने बुर्का उतारकर खोला मोर्चा...>Pg12
कटिया की बिजली से जगमगा रहे यूनीपोल!... > Pg03

मूल्यः 2 ₹

रिपोर्ट में सामने आया कि कई चिकित्साधिकारी नियमित रूप से ड्यूटी से गायब रहते थे

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का एक्शन
17 चिकित्साधिकारी बर्खास्त

स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। डिप्टी मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग में व्यापक स्तर पर कार्रवाई करते हुए 17 चिकित्साधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई ड्यूटी से लगातार अनुपस्थित रहने, मरीजों की सेवा में लापरवाही और विभागीय नियमों की अवहेलना के चलते की गई है।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा रिपोर्ट में सामने आया कि कई चिकित्साधिकारी नियमित रूप से ड्यूटी से गायब रहते थे और मरीजों के समय पर इलाज में देरी होती थी। मरीजों के प्रति अभद्र व्यवहार करने वाले 4 चिकित्साधिकारी भी कार्रवाई की सूची में शामिल रहे। नवीन तैनाती स्थल पर समय पर कार्यभार ग्रहण न करने वाले डॉ. गजेंद्र सिंह को तत्काल स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, बीकेटी ट्रामा सेंटर के 4 चिकित्साधिकारियों से कार्य में लापरवाही के कारण स्पष्टीकरण मांगा गया है। कार्य में लापरवाही बरतने वाले 3 अधिकारियों को चेतावनी दी गई, जबकि 5 अधिकारियों की वेतन वृद्धि रोकने और परनिंदा दंड लागू करने के आदेश जारी किए गए। स्वास्थ्य विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि क्रय नीति का उल्लंघन कर दवा खरीद करने वाले 2 चिकित्साधिकारी अपनी पेंशन में 10त्न कटौती झेलेंगे।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा, मरीज हमारी प्राथमिकता हैं। स्वास्थ्य सेवा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी यह संदेश लें कि जिम्मेदारी निभाना सर्वोपरि है।÷ विशेषज्ञों का मानना है कि यह कार्रवाई स्वास्थ्य विभाग में जवाबदेही और जवाबदेही के नए मानक स्थापित करेगी। अधिकारियों की नियमित मॉनिटरिंग, रिपोर्टिंग और कार्यप्रणाली की समीक्षा अब और सख्त हो जाएगी। इस कदम के बाद विभाग में साफ-सफाई, समय पर मरीजों को सेवा देने और मरीजों के प्रति सम्मान बढ़ाने की दिशा में ठोस बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है। विभाग ने निर्देश दिए हैं कि सभी चिकित्साधिकारी अब से मासिक रूप से अपनी उपस्थिति और मरीज सेवा रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। डिप्टी सीएम ने कहा कि भविष्य में लापरवाही पर तुरंत विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

- 17 चिकित्साधिकारी ड्यूटी लापरवाही के कारण बर्खास्त
- मरीजों के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले 4 अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई
- नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार न ग्रहण करने वाले डॉ. गजेंद्र सिंह को नोटिस
- बीकेटी ट्रामा सेंटर के 4 अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब
- 3 अधिकारियों को चेतावनी, 5 की वेतन वृद्धि रोकी गई
- क्रय नीति का उल्लंघन करने वाले 2 अधिकारियों की पेंशन में 10 प्रतिशत कटौती

मकर संक्रांति पर सरकारी छुट्टी की तिथि बदली

14 जनवरी पहले घोषित अवकाश **15** जनवरी संशोधित अवकाश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने मकर संक्रांति के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश की तिथि में बदलाव करते हुए नया आदेश जारी किया है। पहले यह अवकाश 14 जनवरी को घोषित किया गया था, लेकिन संशोधित आदेश के अनुसार अब 15 जनवरी को प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक धार्मिक मान्यताओं और पंचांग के अनुसार मकर संक्रांति का पुण्यकाल 15 जनवरी को होने के कारण यह निर्णय लिया गया है। इसके चलते 15 जनवरी को सरकारी कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान और अन्य सरकारी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे, जबकि 14 जनवरी को सामान्य कार्यदिवस रहेगा।

एटा में हॉरर किलिंग से दहला यूपी

प्रेम विवाह करने पर गांव वालों के सामने पति-पत्नी की निर्मम हत्या

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में हॉरर किलिंग की एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। जैथरा थाना क्षेत्र के गढ़िया सुहागपुर गांव में प्रेम विवाह से नाराज परिजनों ने अपनी ही बेटी शिवानी (19) और उसके पति दीपक (24) की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोप है कि दोनों का गला रेतकर गांव वालों के सामने मौत के घाट उतार दिया गया।

बताया जा रहा है कि शिवानी और दीपक ने करीब एक माह पहले प्रयागराज के आर्य समाज मंदिर में शादी की थी। दोनों एक-दूसरे से पिछले तीन साल से प्रेम करते थे, लेकिन परिवार इस रिश्ते के खिलाफ था। शनिवार को शिवानी घर लौटी थी। रविवार को दीपक उससे मिलने उसके घर पहुंचा। दोनों छत पर बात कर रहे थे, तभी परिजनों ने देख लिया। गुस्से में आकर घरवालों ने लाठी-डंडों से दोनों को बेरहमी से पिटाई की और पहले शिवानी, फिर दीपक का गला रेत दिया।

➪ करीब एक माह पहले प्रयागराज के आर्य समाज मंदिर में शादी की थी।

शिवानी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दीपक को पड़ोसी की छत पर फेंक दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सीएचसी पहुंचाया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसने भी दम तोड़ दिया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दीपक तड़पता हुआ नजर आ रहा है।

पुलिस ने मामले में लड़की के पिता को हिरासत में ले लिया है, जबकि उसके भाई फरार हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि पिता ने बेटों के साथ मिलकर इस दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया। वारदात जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित गांव में हुई है। इस नृशंस हत्याकांड ने एक बार फिर समाज में प्रेम विवाह को लेकर फैली संकीर्ण सोच और हॉरर किलिंग जैसी कुरीति को उजागर कर दिया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

धर्म परिवर्तन कराकर विवाह फिर तलाक और कर दिया बेघर

पीड़ित महिला ने प्रशासन और न्यायालय से न्याय की गुहार लगाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आईरा प्रेस क्लब में मंगलवार को प्रेस वार्ता में एक महिला ने अपने साथ हुए कथित उत्पीड़न, धोखाधड़ी और बेघर किए जाने को लेकर गंभीर आरोप लगाए।

भावुक अंदाज़ में महिला ने प्रशासन और न्यायालय से न्याय की गुहार लगाई।

महिला के अनुसार वर्ष 2017ङ्क18 से वह गया प्रसाद लेन स्थित एक दुकान में काम कर रही थी। न दुकान मालिक नारायणदास छाबड़ा के पुत्र राहुल छाबड़ा से उनका संपर्क हुआ, जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गया। महिला का कहना है कि उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वह मुस्लिम हैं और विवाह संभव नहीं है,

इसके बावजूद कथित तौर पर उन्हें विश्वास में लेकर उनका धर्म परिवर्तन कराया गया। इसके बाद 6 मार्च 2018 को आर्य समाज व कोर्ट मैरिज के माध्यम से विवाह कराया गया और उनका नाम बदल दिया गया।

आरोप है कि विवाह के बाद

ससुराल पहुंचते ही मुस्लिम होने को लेकर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। वर्ष 2021 में सास के निधन के बाद महिला के जेवरात और घरेलू सामान कथित रूप से छीन लिए गए। महिला ने बताया कि 2023 को पति आज़ाद नगर स्थित दूसरे मकान में रहने चले गए।

जुलाई 2024 में फोन के माध्यम से उन्हें जानकारी दी गई कि मकान का किराया नहीं दिया जा सकता, उन्हें तलाक दे दिया गया है और दूसरी शादी की तैयारी की जा रही है।

इसके बाद मकान मालिक द्वारा मकान खाली करा लिए जाने से वह बेघर हो गईं और मजबूरन शुक्लागंज में अपने भाई-बहनों के यहां शरण लेनी पड़ी।

महिला का दावा है कि उनके पास विवाह, साथ रहने और पहचान परिवर्तन से जुड़े सभी वैध दस्तावेज मौजूद हैं। पीड़िता ने कहा कि उनकी जिंदगी बर्बाद करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

आईपीएस सुमित सुधाकर रामटेके अपर पुलिस उपायुक्त पद पर पदोन्नत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कमिश्नरेट कानपुर नगर में नियुक्त वर्ष 2022 बैच के लोकप्रिय आईपीएस अधिकारी सुमित सुधाकर रामटेके को दिनांक 12 जनवरी 2026 को अपर पुलिस उपायुक्त के पद पर पदोन्नत किया गया। पदोन्नति के अवसर पर पुलिस लाइन में पारंपरिक पाइपिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया।

निर्धारित परंपरा के अनुसार पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय विनोद कुमार सिंह ने उन्हें नए पद के अनुरूप पदचिह्न लगाए। इस अवसर पर दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने सुमित सुधाकर रामटेके को पदोन्नति की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साथ ही अधिकारियों ने सेवा के दौरान उत्कृष्ट, अनुशासित एवं समर्पित कार्य करते हुए पुलिस विभाग की गरिमा बनाए रखने के लिए उन्हें प्रेरित किया।

घर से नाराज होकर निकली तीन बच्चियां सेंट्रल स्टेशन पर मिलीं

» डीएससीआर प्रयागराज की सूचना पर आरपीएफ ने दिखाई मुस्तैदी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। आरपीएफ कानपुर सेंट्रल ने प्रयागराज मंडल के डीएससीआर से प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरपीएफ टीम ने गया (बिहार) से घर से नाराज होकर निकलीं तीन बच्चियों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया।

जानकारी के अनुसार डीएससीआर प्रयागराज ने आरपीएफ कानपुर सेंट्रल को सूचित किया कि बिहार के गया कोतवाली थाना क्षेत्र की तीन नाबालिग बच्चियां गाड़ी संख्या 12397 महाबोधि एक्सप्रेस के जनरल कोच से गया से दिल्ली की ओर जा रही हैं। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक कानपुर सेंट्रल के निर्देशन में उप निरीक्षक मो. असलम खान, एसआई नितिन कुमार, एएसआई कपिल देव व अन्य स्टाफ ने तुरंत अभियान शुरू किया।

ट्रेन के कानपुर सेंट्रल पहुंचने पर प्लेटफॉर्म नंबर दो के आसपास जनरल कोचों में सघन तलाशी ली गई,

लेकिन बच्चियां वहां नहीं मिलीं। इधर-उधर तलाश करने पर आरपीएफ टीम ने कैंट साइड टिकट घर के पास पहुंचकर तीनों बच्चियों को सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में बच्चियों ने घर से नाराज होकर निकलने की बात बताई। उनकी पहचान मुस्कान (14), संध्या (14) और सानिया (13), निवासी गया, बिहार के रूप में हुई। बच्चियों के सुरक्षित मिलने की सूचना पर परिजन व गया पुलिस कानपुर के लिए रवाना हो गए हैं।

कटिया की बिजली से जगमगा रहे यूनीपोल!

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

नगर निगम की स्ट्रीट लाइट से लाइन जोडकर ठेकेदार लगा रहे नगर निगम और केस्को को भारी चूना

वीआईपी रोड के बस शेल्टर पर जल रहा डिस्प्ले

कोकाकोला क्रॉसिंग के पास लगे यूनीपोल

मॉल रोड पर लगा यूनीपोल

इस तरह सड़कों के डिवाइडर काट कर खड़े किए जा रहे यूनीपोल

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। मेयर प्रमिला पांडेय ने बीते कुछ माह पहले विज्ञापन से आय की समीक्षा के दौरान निगम की आय बढाने के लिए कई सख्त दिशा निर्देश दिए थे, इसमें तय हुआ था कि नगर निगम लखनउ से अधिक राजस्व इस बार कानपुर में वसूला जाएगा लेकिन नगर निगम के अधिकारी और ठेकेदार अपनी जेबें भरने में मस्त हैं। ताजा प्रकरण विज्ञापन विभाग से सामने आया है। विज्ञापन विभाग की मिलीभगत से शहर में लगे कई यूनीपोल कटिया की बिजली से जगमगाए जा रहे हैं। इससे हर माह लाखों रूप्यों का चूना लगाया जा रहा है। इसके अलावा यूनीपोल लगाने में नियम कायदों की अनदेखी की जा रही है, कई जगह पर ट्रैफिक विभाग की एनओसी के विपरीत यूनीपोल खडे कर दिए गए हैं।

विभागीय सूत्रों के अनुसार करीब छह माह जोन-1 और जोन 4 में यूनीपोल के लिए करीब 1 करोड 40 लाख का टेंडर निकाला गया था, इसमें ठेकेदार पंकज सिंह की अधरित मीडिया फर्म को चयनित किया गया। यह एंजेसी शहर भर के प्रमुख स्थानों में करीब 80 यूनीपोल लगा रही है। सूत्रों का दावा है कि टेंडर शर्त में लाइट यूनीपोल का जिक्र नहीं था, इसके बाद भी नगर निगम अधिकारियों की मिलीभगत से ठेकेदार के द्वारा मौजूदा समय में कोकाकोला चैराहा, मुरे कंपनी पुल के पास, फूलाबाक, नवीन मार्केट, मर्चेंट के पास यूनीपोल लगाकर कटिया की लाइट का प्रयोग करके जगमाया जा रहा है।

➪ अफसरों की मिलीभगत से शहर में कई जगह लगे यूनीपोल में चोरी की लाइट का हो रहा प्रयोग

विज्ञापन विभाग के प्रभारी विजय सिंह से स्वराज इंडिया संवाददाता ने उक्त प्रकरण में जानकारी की तो वह गोलमोल करते हुए जानकारी नहीं होने की बात कहकर किनारा कर लिया, लेकिन इस तरह से हो रहे बडे घालमेल में विभागीय मिलीभगत को अनदेखा नहीं कहा जा सकता है। वहीं, मार्गप्रकाश विभाग सह प्रभारी आरके पाल ने बताया कि स्ट्रीट लाइट से यूनीपोल के लिए लाइन नहीं जोडी जा सकती है, उसके लिए ठेकेदार को अलग से कनेक्शन लेना चाहिए, जल्द ही निरीक्षण कराकर ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर कराई जाएगी।

बस शेल्टर के लिए वर्क आर्डर नहीं, धडल्ले से लगाए जा रहे डिस्प्ले

नगर निगम विज्ञापन विभाग में भ्रष्टाचार किस कदर हावी है कि शहर के करीब 30 बस शेल्टरों पर विज्ञापन डिस्प्ले हो रहे हैं। अधरित मीडिया फर्म को अभी तक वर्क ऑर्डर तक जारी नहीं है, विभागीय मिलीभगत से ठेकेदार जमकर मनमानी करते हुए नगर निगम को चूनाकर अपनी जेबें भरने में जुटे हुए हैं। इसमें भी नगर निगम की स्ट्रीट लाइट की लाइन से बिजली चोरी की जा रही है। यही हाल चैराहों में बनाए गए ट्रैफिक बूथों का भी है, विज्ञापन लगाकर कमाई तो खूब की जा रही है लेकिन नगर निगम की आय उंट में मुंह में जीरा की तरह जा रही है।

दारोगा ने खुद को बताया निर्दोष, सीबीआई जांच की मांग

सचेंडी रेप कांड

➪ सीएम योगी और पुलिस कमिश्नर को भेजा गया पत्र सोशल मीडिया पर वायरल

स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। कानपुर के सचेंडी क्षेत्र से जुड़े बहुचर्चित रेप कांड में नया मोड़ सामने आया है। मामले में आरोपी बनाए गए दारोगा अमित मौर्य ने पुलिस कमिश्नर और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है। दारोगा ने खुद को पूरी तरह निर्दोष बताते हुए आरोप लगाया है कि उन्हें साजिश के तहत झूठे मामले में फंसाया गया है।

दारोगा अमित मौर्य का कहना है कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप तथ्यहीन हैं और बिना ठोस जांच के उन्हें आरोपी बनाया गया। उन्होंने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि पूरे प्रकरण ने उनके सम्मान, करियर और परिवार को गहरा आघात पहुंचाया है। दारोगा ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

अपने पत्र में दारोगा ने स्पष्ट रूप से सीबीआई जांच की मांग करते हुए कहा है कि केवल स्वतंत्र एजेंसी की जांच से ही दूध का दूध और पानी का पानी हो सकता है। उनका कहना है कि यदि जांच निष्पक्ष हुई तो वे हर

स्तर पर सहयोग करने के लिए तैयार हैं। दारोगा द्वारा लिखा गया यह पत्र सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। अब सभी की नजरें पुलिस कमिश्नरेट और प्रदेश सरकार की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं, कि इस प्रकरण में आगे क्या कदम उठाए जाते हैं। वायरल पत्र की स्वराज इंडिया पुष्टि नहीं करता है।

कानपुर में दिल दहला देने वाली वारदात

शराब पीने से रोकने पर पति ने गर्भवती पत्नी और ढाई साल के बेटे को काट डाला

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। घाटमपुर क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली सनसनीखेज घटना सामने आई है। सर्देपुर गांव में शराब की लत में डूबे पति ने गर्भवती पत्नी और अपने ढाई साल के मासूम बेटे की बेरहमी से गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। जब काफी देर तक घर से कोई हलचल नहीं हुई तो पास में रहने वाला भाई वहां पहुंचा, जहां बरामदे में दोनों के शव पड़े मिले।

बताया गया कि सर्देपुर निवासी सुरेंद्र यादव उर्फ स्वामी खेती-किसानी के साथ ट्रक ड्राइविंग करता था। उसकी पत्नी रूबी (गर्भवती) और ढाई साल का बेटा लवांश उसके साथ रहते थे। आरोपी शराब का आदी था और इसी बात को लेकर घर में आए दिन झगड़ा होता था। रविवार रात करीब आठ बजे शराब पीने से मना करने पर पति-पत्नी के बीच तीखा विवाद हुआ।इस संबंध में बड़े भाई पप्पू यादव ने बताया कि वह रात में दूध देने गया था, तब सुरेंद्र अपनी पत्नी से झगड़ा

➪ घटनास्थल पर चूल्हे पर बनी दाल, चावल और सब्जी, परात में गूंथा आटा पड़ा था

कर रहा था। कुछ देर बाद छोटा भाई राजेश उर्फ राजू मां के लिए सब्जी लेने सुरेंद्र के घर पहुंचा। बरामदे में रूबी और लवांश के खून से सने शव देखकर उसके होश उड़ गए। तत्काल परिवार और पुलिस को सूचना दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस को फोरेंसिक जांच में सामने आया कि हत्या खाना खाने से पहले की गई। घटनास्थल पर चूल्हे पर बनी दाल, चावल और सब्जी रखी थी। परात में गूंथा आटा पड़ा था, जिस पर खून के छींटे थे। खाने-पीने का सामान बिखरा हुआ मिला, जिससे संघर्ष के संकेत मिले। एक गर्भवती मां और मासूम बच्चे की नृशंस हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। अब सबकी निगाहें पुलिस की कार्रवाई और आरोपी की गिरफ्तारी पर टिकी हैं।

साले से फोन पर कबूली हत्या

हत्या के बाद सुरेंद्र ने मोबाइल से अपने साले को फोन किया। कहा अगर मैं तुम्हारी बहन को नहीं मारता, तो वह मुझे मार देती। । डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपी शराब का लती था। रोजाना पारिवारिक झगड़े होते थे। इसी विवाद में उसने पत्नी और मासूम बेटे की हत्या की। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

बांके बिहारी महोत्सव में गूंजा राधा नाम, भक्ति में झूम उठा पूरा कानपुर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फूलबाग स्थित नानाराव पार्क में बांके बिहारी जी सेवा समिति द्वारा आयोजित तेईसवां वार्षिक महोत्सव भक्ति, उल्लास और दिव्यता का अनुपम संगम बन गया। महोत्सव के दौरान पूरे परिसर में राधा नाम की ऐसी गूंज सुनाई दी कि पूरा कानपुर मानो भक्ति रस में डूब गया।महोत्सव में भगवान बांके बिहारी जी को बाल भोग, छप्पन भोग, माखन भोग सहित छत्तीस प्रकार के व्यंजन अर्पित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश की वंदना एवं संकट मोचन हनुमान जी के सुंदर कांड पाठ से हुआ। इस वर्ष समिति का उद्देश्य नगरवासियों को ठाकुर जी की विभिन्न सेवाओं का सुलभ लाभ कराना रहा।

समिति ने वे सभी सेवाएं कानपुर में उपलब्ध कराईं, जिनके लिए सामान्यतः वृंदावन में महीनों प्रतीक्षा करनी पड़ती है। इत्र सेवा, माखन भोग सेवा सहित वृंदावन में की जाने वाली अनेक सेवाएं यहां विधिपूर्वक संपन्न कराई गईं। सेवाओं के सुचारु संचालन एवं भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करने के लिए बांके बिहारी मंदिर के राजभोग सेवा अधिकारी गोस्वामी कमल किशोर विशेष रूप से वृंदावन से पधारे।

महोत्सव का विशेष आकर्षण भगवान बांके बिहारी जी के अत्यंत दुर्लभ चरण दर्शन रहे, जो वर्ष में केवल एक बार होते हैं। इन पावन दर्शनों का लाभ पाकर नगरवासी स्वयं को पुण्य का भागी मानते नजर आए। इस अवसर पर बिहारी जी का दरबार वृंदावन के निधिवन की तर्ज पर सजाया गया, जहां ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो भगवान स्वयं रास विहार कर रहे हों। दरबार और पंडाल की भव्य सजावट के लिए विशेष कारीगरों को कलकत्ता से आमंत्रित किया गया था।

महोत्सव में भजन गायिकाओं की सुमधुर प्रस्तुतियों ने वातावरण को और भी भक्तिमय बना दिया। पटियाला से पधारी पूनम दीदी एवं पूजा दीदी ने अपने भावपूर्ण भजनों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। दर्द-ए-दिल की दवा दीजिए, मन बस गयो नंद किशोर, मुश्किल है सहन करना दर्द जुदाई का जैसे भजनों पर पूरा पंडाल राधा नाम में डूब गया।

इस भव्य आयोजन में समिति से जुड़े गोपाल गुड़िया, विजय गुप्ता, पवन अग्रवाल, मिथलेश गुप्ता, नितेश महेश्वरी, राजेश शाह, आशीष सुरेका, राम सेवक अग्रवाल, आशीष खंडेलवाल, कन्हैया अग्रवाल, अभिनव गुप्ता, रोहित कुमार भगत, अरविंद गुप्ता, निखिल महेश्वरी, सवश गोयल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इरफान सोलंकी की याचिका पर हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित किया

25 सितंबर 2025 को पूर्व विधायक इरफान को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत भी मिली थी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज/कानपुर। कानपुर की सीसामऊ सीट से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी से जुड़े गैंगस्टर मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी कर ली है और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। यह कदम न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और सभी पक्षों को सुनने की प्रक्रिया को मजबूत करता है।

इरफान सोलंकी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर कानपुर की ट्रायल कोर्ट के 30 अगस्त 2025 के आदेश को चुनौती दी थी। याचिका में राज्य सरकार और पूर्व इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे को प्रतिवादी बनाया गया था। इस मामले में 25 सितंबर 2025 को इरफान सोलंकी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत भी मिली थी। अब हाईकोर्ट द्वारा सुनवाई पूरी होने के बाद न्यायिक प्रक्रिया के प्रति लोगों का विश्वास और बढ़ा है।

» हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित।

» सभी पक्षों को न्यायिक प्रक्रिया में अवसर मिला।

» पारदर्शिता और न्याय में विश्वास मजबूत।

सम्पादकीय

दमन से समाज में असंतोष गहरा होगा

ईरान में दशकों से जारी कट्टरपंथी शासन में गाहे-बगाहे प्रतिरोध के स्वर उभरते रहे हैं, जिनका दमन भी शक्ति से होता रहा है। लेकिन मौजूदा विरोध पिछले एक दशक में सबसे तीव्र है। प्रदर्शनकारियों के दमन और प्रदर्शनकारियों को मृत्यु दंड देने की चेतावनी के बाद नहीं लगता है कि जन-अशांति कम होगी। प्रदर्शनकारियों को 'ईश्वर का शत्रु' बताने की ढाल ईरानी सत्ताधीशों को किस हद तक सुरक्षा कवच मुहैया कराएगी,कहना कठिन है। ये महज तात्कालिक उद्देश्य ही किसी हद तक पूरा कर सकता है। इतिहास गवाह है कि दमन से व्यापक असहमति को शायद ही कभी दबाया जा सका हो। जब भी सत्ताधीशों ने ताकत के बल पर जनभावनाओं का दमन किया, फौरी तौर पर भले ही वह दबता दिखता हो, लेकिन वास्तविकता ठीक इसके विपरीत होती है। भीतर-ही-भीतर आक्रोश सुलगता रहता है। कालांतर वह अधिक वेग से वापस लौटकर सत्ता में बदलाव लाता है। दुनिया में तमाम उदाहरण विभिन्न देशों में सामने आते हैं। वास्तव में ईरान का संकट एक एकीकृत धर्म आधारित सत्ता और खुलेपन की ओर बढ़ते समाज का टकराव है। विशेष रूप से सत्ता और युवा वर्ग के बीच खाई लगातार चौड़ी हुई है। ईरान के युवा दूसरे इस्लामिक व मध्यपूर्व के अन्य देशों में खुले समाज और विकास की नई ऊंचाइयों से प्रभावित हैं। वे अपने देश में ऐसा ही प्रगतिशील शासन देखने के आकांक्षी हैं। ये युवा गरिमामय जीवन, अधिक आर्थिक उन्नति के अवसर और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, मौजूदा लोकतांत्रिक विश्व में सत्ता द्वारा संवाद के बजाय शक्ति पर निर्भरता, उसकी उस वैधता को ही कमजोर करती है, जिसे वह अपने हित में संरक्षित करना चाहती है। शासन द्वारा जनता की आवाजों को दबाने का उपक्रम अस्थायी शांति तो ला सकता है, लेकिन शासन के प्रति अविश्वास को बढ़ाता है और अलगाव की खाई को गहरा करता है। वहीं दूसरी ओर ईरान सरकार की दमनकारी नीतियों से वैश्विक समुदाय असहज महसूस कर रहा है। हालांकि, ईरान लंबे समय से पश्चिमी देशों खासकर अमेरिका के दुराग्रहों का शिकार रहा है, वे जब-तब ईरान सरकार की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। जो लोकतांत्रिक सिद्धांतों के बजाय भू-राजनीतिक हितों से ज्यादा प्रेरित रही है। ईरान की परमाणु नीति के चलते उस पर व्यापक प्रतिबंध भी लगाए गए हैं, जिससे धीरे-धीरे ईरान की आर्थिक स्थिति बदतर होती चली गई। फलस्वरूप महंगाई की मार से त्रस्त जनता सड़कों पर उतर आई। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि प्रतिबंधों और राजनयिक अलगाव से स्थितियों में कोई सार्थक सुधार नहीं हुआ है। लेकिन आम लोगों की जिंदगी ज्यादा कष्टकारी हो चली है। तेहरान के साथ भारत के कूटनीतिक व आर्थिक संबंध बेहतर रहे हैं, मौजूदा स्थिति में भारत को ईरान के साथ सावधानी के साथ संतुलित संबंध बनाये रखने होंगे। जिसे ईरान के आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इतिहास गवाह है कि दमन से व्यापक असहमति को शायद ही कभी दबाया जा सका हो। जब भी सत्ताधीशों ने ताकत के बल पर जनभावनाओं का दमन किया, फौरी तौर पर भले ही वह दबता दिखता हो, लेकिन वास्तविकता ठीक इसके विपरीत होती है। भीतर-ही-भीतर आक्रोश सुलगता रहता है।

विदेश नीति के चुनौतीपूर्ण दौर से गुजरता देश

यशवंत सचदेव

देश के लिए यह दौर विदेश नीति के मामले में चुनौतीपूर्ण है। विश्व स्तर पर यही स्थिति है। सबसे शक्तिशाली भागीदार अमेरिका के साथ भारत के कूटनीतिक संबंध सबसे खराब दौर में हैं। जाहिर वजह तो टैरिफ व रूसी तेल खरीद हैं। राष्ट्रपति ट्रंप को एक पुराने मित्र देश और उभरती क्षेत्रीय ताकत की भी परवाह नहीं।वर्ष 1998 में भारत द्वारा किए परमाणु परीक्षणों के बाद -जब अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए थे और परस्पर संवाद लगभग बंद हो गया था- यह पहली बार है जब अपने सबसे शक्तिशाली इस भागीदार के साथ भारत के संबंध खतरनाक रूप से नए निचले स्तर पर हैं। पिछले कुछ दिनों में, व्हाइट हाउस के उच्चतम गलियारों से तंज कसे गए हैं, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी को एक निवेदन करने वाले के रूप में दिखाया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से कहा : 'सर, क्या मैं आपसे बात कर सकता हूं'।

हां, माना जाता है कि अमेरिका की 'महान श्वेत आशा' ने उत्तर दे दिया। पछली बार जब एक प्रधानमंत्री -डॉ. मनमोहन सिंह- को एक अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष विनीत जैसा पाया गया था (2008 में उन्होंने जॉर्ज डब्ल्यू बुश से कहा : 'भारत आपसे प्यार करता है'), तो देश में गुस्से का विस्फोट होना वाजिब था। सिर्फ 24 घंटे पहले, विदेश मंत्रालय ने मोदी द्वारा कही कथित बात को खारिज कर दिया। लेकिन संबंधों का यूं रसातल में जाते देखना बहुत बुरा लगा। एक चमकदार अतीत से जुड़ी अद्वितीय और महान सभ्यता के उत्तराधिकारी के रूप में भारतीय अभिजात वर्ग का अमेरिका द्वारा जिस प्रकार उपहास उड़ाया जा रहा है, महज इसलिए कि भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की हिम्मत दिखाई- इस मामले में, कुछ अमेरिकी कृषि वस्तुओं पर आयात शुल्क घटाने से इंकार करना और सस्ते रूसी तेल की खरीद बंद करने से मना करना -वह बहुत परेशान करने वाला है। जैसा कि अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक ने एक पत्रकार से कहा, अमेरिकी प्रशासन ने भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर सहमति देने के लिए तीन सप्ताह की मोहलत दी थी। इसके सिलसिले में मोदी को व्यक्तिगत रूप से ट्रंप को फोन कर समझौते पर हस्ताक्षर की रजामंदी जाहिर करनी थी। लेकिन प्रधानमंत्री ने फोन कॉल नहीं की। आखिरकार, जब भारतीय पक्ष ने संपर्क किया, तो लटनिक ने उनसे कहा : 'बहुत देर हो चुकी है'। निश्चित रूप से, इसमें कुछ भी नया नहीं। भारत तो विशेष रूप से पश्चिमी नेताओं के सम्राटों की तरह पेश आने और अपना दबदबा दिखाए जाने का आदी है। विदेश मंत्रालय के अंदर, और बाहर भी, हर कोई उस दोगलेपन को समझता है जो बड़ी शक्तियों द्वारा खासकर शीत युद्ध के दौरान बरता जाता रहा, मीडिया ने उन्हें बेनकाब करने में कमी नहीं छोड़ी। समस्या यह है कि कम से कम पिछले 20 सालों से, भारत सोचता था कि वह अमेरिकियों के साथ खड़ा है। हमने उनका हास-परिहास अपनाया, हमारे बच्चे उनके कॉलेजों में गए -भारतीय माता-पिता ने अपना पेट काटकर उन्हें वहां भेजने के वास्ते डॉलर खरीदने के लिए बचतें कीं- और हमारी आईटी विशेषज्ञ पीढ़ी ने अमेरिका को बारंबार महान बनाने के लिए एचवन-बी वीजा लगवाया। हम बराबरी के थे। या कम से कम हम ऐसा सोचते रहे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर, जोकि मोदी मंत्रिमंडल के सबसे समझदार लोगों में से एक हैं, पुराने भारत के नए भारत में रूपांतरित होने में भूमिका निभा चुके हैं। भारत के शीर्ष राजनयिकों में से एक होने के नाते उन्हें दोनों पक्षों के लोगों से दोस्ती करने का प्रशिक्षण प्राप्त है। जयशंकर के पिता के. सुब्रमण्यम ने तो 1971 में, बांग्लादेश युद्ध से पहले,पाकिस्तान के प्रति अमेरिका के 'अत्यधिक झुकाव' के लिए तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर को खरी-खरी सुनाई थी (सुब्रमण्यम ने किसिंजर से पूछा था, ।

स्मरण शक्ति और एकाग्रता भी बढ़ती है नमस्कार से

अंतर्मन

डा० सुधीर कुमार

भारत के अलावा कई देशों में भी नमस्कार की मुद्रा को अत्यंत प्रभावशाली और चमत्कारी माना जाता है। जापानी भाषा में इसे 'गाशो' कहा जाता है। भारत समेत कई देशों का यही मानना है कि हाथ जोड़ना केवल एक शारीरिक मुद्रा नहीं, बल्कि यह एक गहरी आध्यात्मिक मनोस्थिति को भी दर्शाता है। भारतीय दर्शन के अनुसार, हमारे हाथ ऊर्जा के उत्सर्जन केंद्र हैं। जब नमस्कार की मुद्रा में दोनों हाथ जोड़े जाते हैं तो मन को असीम शांति मिलती है। प्रार्थना के लिए दोनों हाथों को जोड़ा जाता है। भारत के अलावा कई देशों में भी नमस्कार की मुद्रा को अत्यंत प्रभावशाली और चमत्कारी माना जाता है। जापानी भाषा में इसे 'गाशो' कहा जाता है। भारत समेत कई देशों का यही मानना है कि हाथ जोड़ना केवल एक शारीरिक मुद्रा नहीं है, बल्कि यह एक गहरी आध्यात्मिक मनोस्थिति को दर्शाता है। जब हम हाथ जोड़ते हैं तो हमारी अंगुलियों के सिरे एक-दूसरे पर दबाव डालते हैं।

ये प्रेशर प्वाइंट्स हमारे मस्तिष्क के उन हिस्सों से जुड़े होते हैं जो स्मरण शक्ति और एकाग्रता के लिए जिम्मेदार होते हैं। वहीं जापान में 'गाशो' के माध्यम से यह बताया जाता है कि जब दाएं और बाएं हाथ आपस में मिलते हैं, तो ये दो विपरीत चीजों के मिलन के प्रतीक होते हैं जैसे स्वयं और दूसरा, प्रकाश और अंधकार। इनसे यह पता चलता है कि ब्रह्मांड में सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है और हम अलग-अलग नहीं हैं। गाशो की मुद्रा में व्यक्ति का मन भटकना बंद कर देता है। मन एक ही स्थान पर केंद्रित हो जाता है। इसलिए अक्सर स्कूल में बच्चों को पढ़ाने से पहले दोनों हाथ जोड़कर प्रार्थना कराई जाती है।

हमारे देश में जब कोई महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ किया जाता है तो पहले दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर का स्मरण किया जाता है। ऐसा करने से मस्तिष्क की ऊर्जा एकाग्र हो जाती है और जिस कार्य को किया जाने वाला है, उसे बल मिलता है। हाथ जोड़ने का सही तरीका यह है कि दोनों हथेलियों को अपने हृदय चक्र के पास सटाकर रखना चाहिए। ऐसा करने से हृदय सकारात्मक होता है। हृदय को यह अहसास होता है कि नकारात्मक बिंदुओं को बाहर निकालना है और सकारात्मक बातों को अपने अंदर रखना है। यही कारण है कि जो लोग विनम्रता में हाथ जोड़कर बातें करते हैं, अथवा किसी विवादास्पद मुद्दे को हाथ जोड़कर खत्म करते हैं तो हाथों की सकारात्मक तरंगें निकलकर परिवेश में घुल जाती हैं। लेकिन दुर्भाग्य से कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिनके हाथ नहीं होते। ऐसे में वे प्रार्थना की मुद्रा किस प्रकार बनाएं? इस दर्द को समझा प्रणव वेम्पाती और उनकी टीम ने। प्रणव वेम्पाती, हर्षा रेड्डी पोंगुलेटी और सुरेन मरुममुला द्वारा वर्ष 2018 में एक स्टार्टअप की स्थापना की गई। वे मिसाइलमैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से बेहद प्रभावित थे। इसलिए उन्होंने कलाम से संबंधित कलार्म बनाने की सोची। आज भी देश में अनेक लोग ऐसे हैं जो कृत्रिम अंगों विशेषकर कृत्रिम हाथों को खरीदने में असमर्थ हैं। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने हृदय रोग के लिए प्रसिद्ध और किफायती 'कलाम स्टेंट' विकसित किया था। इसी स्टेंट के तर्ज पर प्रणव वेम्पाती ने एक ऐसा कृत्रिम हाथ बनाने का निश्चय किया जो लोगों के लिए सुलभ हो सके और वे लोग जिनके हाथ नहीं हैं, वे उसका प्रयोग कर न केवल अपने दैनिक कार्य कर सकें, अपितु दोनों हाथों के माध्यम से प्रार्थना कर अपने हृदय को भी मजबूत कर सकें। इसके लिए प्रणव को हर्षा और सुरेन जैसे सह-संस्थापक मिले। समान सोच के साथ उन्होंने काम करना शुरू किया।विकसित देशों में उन्नत कृत्रिम बायोनिक हाथों की कीमत 35 से 60 लाख तक होती है। प्रणव सबसे सस्ता बायोनिक हाथ बनाने में जुट गए। इसके लिए उन्होंने अनेक प्रयोग किए। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई। उन्होंने 'कलार्म' नामक 3डी-प्रिंटेड हाथ बनाया है। यह 18 तरह की ग्रिप देता है, ईएमजी सेंसर से चलता है और 8 किलो तक का वजन उठा सकता है। इसकी कीमत अन्य देशों के मुकाबले

सरकारी पैसे की जमकर हुई लूट

मनरेगा घोटाले में प्रधान, सचिव और तकनीकी सहायक पर एफआईआर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर विकासखंड की रहीमपुर करीमपुर ग्राम पंचायत में मनरेगा योजना के तहत हुए बड़े घोटाले ने प्रशासनिक तंत्र को कटघरे में खड़ा कर दिया है। जांच में 13 विकास कार्यों को कागजों में पूरा दिखाकर सरकारी धन की निकासी किए जाने की पुष्टि के बाद ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव और मनरेगा तकनीकी सहायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। यह मामला ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान की शिकायत के बाद सामने आया। जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र में आरोप लगाया गया था कि मनरेगा के नाम पर सुनियोजित तरीके से फर्जी भुगतान कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया, जिसने गांव पहुंचकर स्थलीय जांच की।

⇨ **करीब 13 विकास कार्य सिर्फ कागजों में दिखाकर लाखों की निकासी, जांच के बाद तीनों पर दर्ज हुआ मुकदमा**

जांच के दौरान नाला खुदाई, चक मार्ग निर्माण, खेत समतलीकरण और पौधरोपण समेत कुल 13 कार्यों को पूर्ण दिखाया गया था। इन कार्यों पर बीते दो वर्षों में करीब 14.85 लाख रुपये का भुगतान भी कर दिया गया, लेकिन मौके पर एक भी कार्य मौजूद नहीं मिला। जांच रिपोर्ट में साफ तौर पर गबन की पुष्टि हुई है। सूचना बोर्डों के नाम पर भी भारी अनियमितता सामने आई हैं। कागजों में 13 बोर्ड लगाए जाने दर्शाए गए, जबकि गांव में एक भी बोर्ड नहीं मिला। इसके बावजूद निर्धारित लागत से कई गुना अधिक भुगतान किए जाने के तथ्य उजागर हुए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि जिन मजदूरों के नाम पर भुगतान दिखाया गया, वे संबंधित ग्राम पंचायत के निवासी नहीं थे। मजदूरों की फर्जी हाजिरी भरकर मनरेगा की राशि निकाल ली गई।

मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर...

घोटाले की पुष्टि होने के बाद मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर खंड विकास अधिकारी ने थाने में तहरीर दी। इसके आधार पर ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव और मनरेगा तकनीकी सहायक के खिलाफ सरकारी धन के गबन और गंभीर अनियमितताओं की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले के सामने आने के बाद अन्य ग्राम पंचायतों में भी हड़कंप मचा हुआ है।

खेरेश्वर घाट की बदहाली पर एसडीएम ने अफसरों को फटकारा

मकर संक्रांति से पहले निरीक्षण के दौरान घाट पर दिखी गंदगी और अव्यवस्था

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। मकर संक्रांति पर्व के मद्देनजर शिवराजपुर स्थित खेरेश्वर घाट का एसडीएम ने रविवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान घाट पर फैली गंदगी और अव्यवस्थाओं को देखकर एसडीएम नाराज हो गए। घाट की बदहाल स्थिति पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई।

एसडीएम ने निर्देश दिए कि घाट पर अविलंब विशेष सफाई अभियान चलाकर पूरे परिसर को स्वच्छ कराया जाए। उन्होंने बीडीओ शिवराजपुर को स्पष्ट आदेश दिए कि मकर संक्रांति से पहले घाट की पूरी तरह सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। एसडीएम ने

यह भी कहा कि घाट पर केवल पर्व के समय ही नहीं, बल्कि नियमित रूप से साफ-सफाई बनी रहनी चाहिए। स्वच्छता में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सफाई कार्य की नियमित निगरानी करने और भविष्य में घाट की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

सपा की मदद से खुशी दुबे की माँ का ऑपरेशन, जताया आभार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। कानपुर के चर्चित बिकरू कांड से जुड़े कुख्यात अपराधी विकास दुबे के रिश्तेदार अमर दुबे की पत्नी खुशी दुबे एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वजह किसी आपराधिक मामले से नहीं, बल्कि उनकी बीमार मां के इलाज से जुड़ी है। बिकरू कांड में नाम आने के बाद करीब दो वर्षों तक जेल में रहीं खुशी दुबे की मां गायत्री लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं। डॉक्टरों ने तत्काल ऑपरेशन की सलाह दी थी, लेकिन आर्थिक हालात कमजोर होने के कारण इलाज कराना परिवार के लिए संभव नहीं हो पा रहा था। परिजनों ने कई स्तरों पर मदद की कोशिश की, लेकिन कहीं से कोई राहत नहीं मिली। ऐसे में खुशी दुबे ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से अपनी मां के इलाज के लिए सहायता की अपील की।

इसके बाद समाजवादी पार्टी की पहल पर लखनऊ के एक निजी अस्पताल में शनिवार को गायत्री का ऑपरेशन कराया गया। इलाज और दवाओं का पूरा खर्च पार्टी की ओर से वहन किए जाने की बात कही जा रही है। रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें खुशी दुबे अखिलेश यादव के प्रति आभार जताती नजर आ रही हैं। वीडियो में उन्होंने कहा कि मां की हालत बेहद नाजुक थी और पैसों के अभाव में इलाज संभव नहीं हो पा रहा था। अखिलेश यादव तक बात पहुंचने के बाद लखनऊ की रहने वाली पूजा शुक्ला के सहयोग से ऑपरेशन कराया गया। खुशी दुबे के अनुसार अब उनकी मां की हालत पहले से बेहतर है और जल्द ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। हालांकि, वायरल हुए वीडियो की आपका अपना 'स्वराज इंडिया' अखबार पुष्टि नहीं करता है।

बिल्हौर में बीएलओबूथ डे पर मतदाता सूची का हुआ व्यापक सत्यापन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को 209 बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र में बीएलओ बूथ डे का आयोजन किया गया। इस दौरान मतदाता सूची का पठन, फोटो सत्यापन एवं संशोधन कार्य व्यापक स्तर पर संपन्न हुआ।

उपजिलाधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बिल्हौर डॉ संजीव दीक्षित के नेतृत्व में तहसीलदार बिल्हौर, नायब तहसीलदार बिल्हौर व शिवराजपुर, खंड विकास अधिकारी बिल्हौर व चौबेपुर, खंड शिक्षा अधिकारी बिल्हौर सहित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा निर्वाचन कार्य में लगे सुपरवाइजरों ने विभिन्न मतदान केंद्रों

⇨ **एसडीएम-तहसीलदार समेत अधिकारियों ने संभाली कमान**

⇨ **विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने किया बूथों का भ्रमण**

का निरीक्षण किया। अधिकारियों द्वारा मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदाता सूची पढ़ी गई और मतदाताओं की फोटो सहित अन्य विवरणों का सत्यापन किया गया। कई स्थानों पर राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों एवं उनके द्वारा नामित बूथ लेवल अध्यक्षों की उपस्थिति में भी मतदाता सूची का पठन किया गया। इस मौके पर नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6 तथा मतदाता सूची में दर्ज प्रविष्टियों में संशोधन हेतु फॉर्म 8 भरने के लिए मतदाताओं को जागरूक किया गया।

विधायक ने किया बूथ निरीक्षण

कार्यक्रम के अंतर्गत बूथ संख्या 428 एवं 429, प्राथमिक विद्यालय भवानीपुर में माननीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने भी बूथ का भ्रमण किया और ई-रोल का अवलोकन किया। उन्होंने मतदाता सूची की शुद्धता पर जोर देते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन का कहना है कि इस विशेष अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना तथा प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार सुनिश्चित करना है।

इन्वेस्ट यूपी रिश्वत कांड

निलंबित आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश पर चार्जशीट

भ्रष्टाचार में शामिल अभिषेक प्रकाश पर एसआईटी का और शिकंजा कसता जा रहा है, नौकरशाही पर उठे गंभीर सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की नौकरशाही में भ्रष्टाचार को लेकर एक बार फिर बड़ा मामला सामने आया है। इन्वेस्ट यूपी के तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी और उत्तर प्रदेश कैडर के निलंबित आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश के खिलाफ रिश्वतखोरी के मामले में सरकार ने आधिकारिक रूप से चार्जशीट जारी कर दी है। यह कार्रवाई विशेष जांच टीम द्वारा की गई जांच में सामने आए ठोस साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर की गई है।मामला सौर ऊर्जा से जुड़े एक बड़े निवेश प्रस्ताव से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने के नाम पर वरिष्ठ अधिकारी के इशारे पर बिचौलिए के जरिए रिश्वत की मांग की गई थी। जांच में सामने आया है कि परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए कुल लागत का लगभग पांच प्रतिशत रिश्वत के रूप में मांगा गया था।

निलंबित आईएएस अभिषेक प्रकाश

इस पूरे प्रकरण की शुरुआत 20 मार्च 2025 को हुई, जब सौर ऊर्जा कंपनी के प्रतिनिधि विश्वजीत दास ने गोमतीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई। एफआईआर में बताया गया कि कंपनी ने उत्तर प्रदेश में सोलर सेल और सौर ऊर्जा उपकरण निर्माण से जुड़ा निवेश प्रस्ताव इन्वेस्ट यूपी में दाखिल किया था। आवेदन के बाद कंपनी को एक व्यक्ति निकांत जैन के माध्यम से संपर्क किया गया।

आरोप है कि निकांत जैन ने खुद को वरिष्ठ अधिकारियों का करीबी बताते हुए प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने के बदले रिश्वत की मांग की। जब कंपनी प्रतिनिधि ने रिश्वत देने से इनकार किया तो उनकी फाइल रोक दी गई और आवेदन आगे नहीं बढ़ाया गया।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर हुई थी त्वरित कार्रवाई

मामला सामने आते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे गंभीरता से लिया। तत्कालीन इन्वेस्ट यूपी सीईओ अभिषेक प्रकाश को निलंबित कर दिया गया, वहीं आरोपी निकांत जैन को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इसके साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए विशेष जांच टीम का गठन किया गया।एसआईटी की जांच के दौरान कई अहम तथ्य सामने आए। पूछताछ में निकांत जैन ने खुलासा किया कि वह वरिष्ठ अधिकारी अभिषेक प्रकाश के संपर्क में था और उन्हीं के निर्देश पर उसने कंपनी से संपर्क किया। जांच के दौरान कॉल रिकॉर्ड, संदेशों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के जरिए दोनों के बीच नियमित संपर्क की पुष्टि भी हुई।

इन्हीं आधारों पर एसआईटी ने अभिषेक प्रकाश को इस मामले में आरोपी मानते हुए एफआईआर में उनका नाम जोड़ा है। अब एसआईटी ने उनका बयान दर्ज करने के लिए नियुक्ति विभाग से औपचारिक अनुमति मांगी है।

नियुक्ति विभाग की अनुमति का इंतजार

नियमों के अनुसार किसी आईएएस अधिकारी से पूछताछ और बयान दर्ज करने के लिए नियुक्ति विभाग की अनुमति आवश्यक होती है। सूत्रों के मुताबिक अनुमति मिलते ही एसआईटी अभिषेक प्रकाश से पूछताछ करेगी और उनका बयान दर्ज किया जाएगा। इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की दिशा तय होगी।यह मामला एक बार फिर प्रदेश की नौकरशाही में पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े करता है। निवेश को बढ़ावा देने के लिए गठित संस्थानों में यदि भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते हैं, तो इसका सीधा असर प्रदेश की निवेश छवि पर पड़ता है। सरकार ने इस प्रकरण में त्वरित कार्रवाई कर यह संदेश देने की कोशिश की है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर अमल किया जाएगा, चाहे आरोपी कितना ही बड़ा अधिकारी क्यों न हो।

2006 बैच के अधिकारी हैं अभिषेक प्रकाश

अभिषेक प्रकाश वर्ष 2006 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और प्रदेश प्रशासन में कई अहम पदों पर रह चुके हैं। इन्वेस्ट यूपी के सीईओ के रूप में उनकी भूमिका निवेशकों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती थी। ऐसे में उनके खिलाफ लगे आरोपों ने प्रशासनिक हलकों में भी हलचल मचा दी है।फिलहाल एसआईटी की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस मामले में और भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

एसआईआरः मताधिकार से हर पात्र नागरिक को जोड़ने का है यह अभियान

» एसडीएम रसूलाबाद का मतदान केंद्रों पर निरीक्षण

» मतदाता सूची को शुद्ध व त्रुटिरहित बनाने के दिए निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भारत निर्वाचन आयोग एवं उत्तर प्रदेश निर्वाचन आयोग के निर्देशों तथा जिलाधिकारी कपिल सिंह के मार्गदर्शन में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत उप जिलाधिकारी रसूलाबाद सर्वेश कुमार ने क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने भाग संख्या 135 व 136 (प्राथमिक पाठशाला मलकापुरवा) तथा भाग संख्या 201 (प्राथमिक पाठशाला अंगदपुर) का निरीक्षण कर ड्राफ्ट मतदाता सूची के सार्वजनिक वाचन और सत्यापन प्रक्रिया की बारीकी से समीक्षा की।

एसडीएम ने सभी बीएलओ को निर्देश दिए कि जिन मतदाताओं की फोटो अद्यतन नहीं है,

उनकी नई फोटो लेकर तत्काल संशोधन किया जाए। साथ ही प्रिव्यू ऑप्शन के सही उपयोग पर विशेष जोर देते हुए डाटा प्रविष्टि की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फॉर्म-6 के माध्यम से प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन के साथ आवश्यक अभिलेख व घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर अनिवार्य रूप से कराए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश न रहे। उप जिलाधिकारी सर्वेश कुमार ने स्पष्ट किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य हर पात्र नागरिक को मताधिकार से जोड़ना है। उन्होंने अधिकारियों व बीएलओ को पारदर्शिता, समयबद्धता और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए।

स्वच्छ भारत मिशनः लाखों से बने एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रों पर ताले

नहोली सहित अधिकांश ग्राम पंचायतों में आरआरसी सिर्फ कागजों में संचालित

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात माती। सरवनखेड़ा विकासखंड की ग्राम पंचायत नहोली में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत निर्मित एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र (आरआरसी) आज सरकारी उपेक्षा और स्थानीय स्तर की घोर लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण बन गया है। लाखों रुपये की लागत से बनाए गए इस केंद्र का उद्देश्य गांव में उत्पन्न गीले व सूखे कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण कर स्वच्छ वातावरण तैयार करना था, लेकिन प्रधान और ग्राम सचिव की उदासीनता के चलते केंद्र निर्माण के बाद से ही बंद पड़ा है। केंद्र के गेट पर ताला लटक रहा है और भीतर रखे उपकरण धूल फांकते नजर आ रहे हैं।

आर आर सी सेंटर के बगल में पसरी गंदगी गेट में लटकता ताला

ग्रामीणों का कहना है कि एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र बनने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि गांव की गलियों, नालियों और सार्वजनिक स्थलों से कचरे की समस्या समाप्त होगी, लेकिन हकीकत इसके ठीक उलट है। आज भी गांव की सड़कों के किनारे, खाली प्लॉटों और खेतों में खुलेआम कचरा फेंका जा रहा है, जिससे गांव में गंदगी, बदबू और संक्रामक बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

आरोप है कि आरआरसी केंद्र का संचालन केवल कागजों में दिखाया जा रहा है। न तो कचरा संग्रहण के लिए कोई स्थायी कर्मचारी तैनात किए गए और न ही कूड़ा पृथक्करण एवं वैज्ञानिक निस्तारण की प्रक्रिया शुरू हुई। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी धन से बने इस केंद्र को जानबूझकर निष्क्रिय रखा गया, जबकि सरकारी अभिलेखों में स्वच्छता कार्यों को नियमित रूप से संचालित दर्शाया जा रहा है।कई बार ग्रामीणों ने प्रधान और ग्राम सचिव से एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र को चालू कराने की मांग की, लेकिन हर बार केवल आश्वासन देकर मामला टाल दिया गया। इससे ग्रामीणों में भारी रोष है और वे इसे सरकारी धन के दुरुपयोग और स्वच्छ भारत मिशन की खुली अवहेलना मान रहे हैं।

स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण और जनस्वास्थ्य से जुड़े विषय पर जिम्मेदारों की यह लापरवाही प्रशासनिक कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। आरआरसी केंद्र के बंद रहने से न केवल गांव की स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, बल्कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लग गया है चौंकाने वाली बात यह है कि नहोली अकेली ग्राम पंचायत नहीं है। पूरे सरवनखेड़ा विकासखंड के अंतर्गत अधिकांश ग्राम पंचायतों में बने एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रों पर ताले लटके हुए हैं। ब्लॉक स्तर के अधिकारी और ग्राम प्रधान स्वच्छ भारत मिशन को धरातल पर उतारने के बजाय कागजों में ही चलाकर सरकार की मंशा को धूल में उड़ाते नजर आ रहे हैं।

ग्रामीणों ने जिला पंचायत राज अधिकारी व उच्च प्रशासन से मांग की है कि सरवनखेड़ा ब्लॉक में निर्मित सभी आरआरसी केंद्रों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, प्रधानों और ग्राम सचिवों की जवाबदेही तय की जाए तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। साथ ही सभी एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रों को तत्काल चालू कर नियमित कचरा निस्तारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि स्वच्छ भारत मिशन का वास्तविक उद्देश्य पूरा हो सके। इस संबंध में जब प्रभारी खंड विकास अधिकारी विमल सचान को फोन किया तो उनका नंबर स्विच ऑफ जा रहा था ।

वैध खनन दिन में होगा, अवैध खनन पर जीरो टॉलरेंस

» रसूलाबाद क्षेत्र में सर्वाधिक अवैध खनन के मामले सामने आने के बाद प्रशासन सक्रिय

» एसडीएम ने उपनिरीक्षकों, कानूनगो और लेखपालों के साथ बैठक में दिए कई निर्देश

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। अवैध खनन किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। केवल वैध मिट्टी खनन की ही अनुमति होगी। यह निर्देश उपजिलाधिकारी रसूलाबाद सर्वेश सिंह ने तहसील सभागार में बैठक के दौरान दिए। जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देश पर रसूलाबाद क्षेत्र में अवैध खनन के मामलों को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी क्रम में एसडीएम ने उपनिरीक्षकों, कानूनगो और लेखपालों के साथ बैठक में स्पष्ट किया कि अवैध खनन पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम ने निर्देश दिए कि वैध खनन केवल दिन के समय ही कराया जाएगा।

रात्रि में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, क्योंकि रात में अवैध खनन की संभावना अधिक रहती है। खनन स्थलों पर राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन की सतत निगरानी रहेगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में तहसीलदार संतोष कुमार, तहसीलदार सुदर्शन सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक राम सिंह, कानूनगो अनिल कुमार, असलतगंज चौकी प्रभारी केशव देव, कहिंजरी चौकी प्रभारी प्रवीण मिश्रा, रसूलाबाद कस्बा इंचार्ज प्रमोद दीक्षित, तिश्ती चौकी प्रभारी बृजेश कुमार सहित कई उपनिरीक्षक एवं राजस्व निरीक्षक मौजूद रहे।

चौकी प्रभारी के स्थानांतरण पर सम्मानपूर्वक विदाई

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस चौकी कहिंजरी के प्रभारी योगेंद्र कुमार शर्मा का स्थानांतरण शिवली थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी बाघपुर में चौकी प्रभारी के रूप में हुआ है। स्थानांतरण पर बैंड-बाजे के साथ नगर भ्रमण करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। चौकी परिसर में समारोह में पुलिसकर्मियों के साथ क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। आरक्षी राकेश कुमार, अंकित, अमित कसाना, राघव बाजपेई, सचिन गुप्ता, रविकांत शुक्ला, वीरभान सिंह, ग्राम प्रधान नितिन रावत, मोहनलाल सोनकर, मोहम्मद इसरोज, सलमान खान, काका तिवारी, ओम प्रकाश गुप्ता, सुनील मिश्रा, कुंवर सिंह सेंगर, उमाकांत शुक्ला, देवेंद्र त्रिपाठी, रमाकांत शुक्ला, श्यामजी शुक्ला, राहुल तोमर, हरिओम शुक्ला, सुनील पांडे, मनीष कुमार शुक्ला, अजय पाल राजपूत, बैजनाथ त्रिवेदी, अमन शर्मा आदि रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 । Email: swarajindia2023@gmail.com । Mob: 7800009853, । Website: www.swarajindianews.com । (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) प्रादेशिक कार्यालय :4ए/5,119/10बी, खान बिल्डिंग, पार्क रोड हजरतगंज

देवीपुर में ट्राला अनियंत्रित होकर पलटा, चालक व महिला घायल

आसपास के लोगों ने दोनों घायलों को अस्पताल भेजा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कानपुरझ्झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर देवीपुर ओवरब्रिज के पास एक ट्राला अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्राला चालक समेत उसमें सवार एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

हादसा होते ही आसपास के दुकानदारों व राहगीरों ने मौके पर पहुंचकर ट्राले में फंसे चालक को बाहर निकाला। इसके बाद महिला को भी सुरक्षित बाहर निकाला। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

जानकारी के मुताबिक ट्राला कानपुर से झांसी की ओर जा रहा था। देवीपुर ओवरब्रिज से नीचे उतरते समय चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे ट्राला पहले पेड़ से टकराया और फिर सड़क किनारे खड्ड में पलट गया। इसमें चालक गोविंद निवासी धमना खुर्द, बरुआसागर, झांसी व महिला भूरी निवासी माती किशनपुर बताई गई है। देवीपुर चौकी प्रभारी अभिषेक कुमार ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

बाल विकास परियोजना कार्यालय में चोरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» सीसीटीवी के अभाव में संचालित कार्यालय, चोरों ने पुलिस को दी खुली चुनौती

कानपुर देहात। रसूलाबाद ब्लॉक परिसर स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में बीती रात अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर कार्यालय का ताला तोड़कर अंदर घुसे और वहां रखी एक किलो पैक चना दाल की तीन बोरियां चोरी कर ले गए।

घटना की जानकारी होने पर सीडीपीओ द्वारा रसूलाबाद थाना में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की गई है। चोरी की इस घटना से ब्लॉक परिसर में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि रसूलाबाद ब्लॉक के कई सरकारी कार्यालय बिना सीसीटीवी कैमरों के संचालित हो रहे हैं, जिससे चोरी की घटनाओं को अंजाम देना चोरों के लिए आसान हो गया है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है और शीघ्र ही चोरी का खुलासा किया जाएगा।

अस्पताल प्रबंधन को लेकर सीएमओ कार्यालय में सौंपा गया ज्ञापन

आयुष्मान मरीज को बंधक बनाने और अवैध वसूली का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर माती रोड स्थित निजी अस्पताल नोवा ग्रेस पर आयुष्मान योजना के तहत भर्ती मरीज को बंधक बनाने, जबरन ऑपरेशन का दबाव बनाने और अवैध वसूली का गंभीर आरोप लगा है। मामले को लेकर सोमवार को यूथ फाउंडेशन संगठन से जुड़े युवाओं ने मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पहुंचकर जोरदार नारेबाजी की और दोषी अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

बताया गया कि सिकंदरा के शास्त्री नगर निवासी श्याम नारायण का करीब दो माह पूर्व नोवा ग्रेस अस्पताल में आयुष्मान योजना के अंतर्गत ऑपरेशन किया गया था। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल की लापरवाही के चलते ऑपरेशन असफल रहा। तबीयत बिगड़ने पर जब वे दोबारा अस्पताल पहुंचे तो उन्हें फिर से आयुष्मान योजना में भर्ती कर लिया गया, लेकिन दो दिन तक कोई इलाज नहीं किया गया।

परिजनों का कहना है कि जब वे मरीज को किसी अन्य अस्पताल ले जाना चाहते थे तो अस्पताल संचालक ने दोबारा ऑपरेशन कराने का दबाव बनाया और मना करने पर तेरह हजार रुपये की अनुचित मांग रख दी। रकम न दे पाने पर गरीब मरीज को अस्पताल में ही बंधक बना लिया गया। साथ ही बार-बार मांगने के बावजूद पूर्व ऑपरेशन से संबंधित कागजात भी नहीं दिए गए। पीड़ित परिवार ने अकबरपुर के एक सामाजिक कार्यकर्ता से संपर्क किया, जिसके बाद पुलिस की मदद से मरीज को बंधक मुक्त कराया गया और ऑपरेशन के कागजात प्राप्त हो सके।

यूथ फाउंडेशन के आयुष त्रिवेदी ने कहा कि निजी अस्पताल आयुष्मान योजना के नाम पर गरीबों को लूट रहे हैं और खुलेआम शोषण किया जा रहा है। सूरज तिवारी ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

इस दौरान अभिषेक श्रीवास्तव, अमन गुप्ता, उत्कर्ष सिंह गौर, कुलदीप सिंह, केशव मिश्रा, राहुल तिवारी, अंकित मिश्रा, मयंक दीक्षित, भरत मिश्रा, घनेन्द्र सिंह सेंगर और उमंग मिश्रा सहित कई युवा मौजूद रहे।

डेरापुर में रेलवे ट्रैक पर मिली युवती की पहचान

» पिता की तहरीर पर युवक व उसके परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

SWARAJ INDIA
स्वराज इंडिया
Swaraj India
10 Jan 2026 - Page 9
मालगाड़ी की चपेट में आई युवती, आत्महत्या या हादसा
न्यू भाऊपुर-खुर्जा डीएफसीसी ट्रैक पर दर्दनाक घटना, शिनाख्त के प्रयास जारी

कानपुर देहात। कानपुर देहात के झींझक कस्बे में डीएफसीसी रेलवे ट्रैक पर शनिवार को मिली युवती की लाश की पहचान हो गई है। मृतका के पिता की तहरीर पर गांव के ही एक युवक और उसके परिजनों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, मंगलपुर थाना क्षेत्र के अक्षयवट धाम के पास स्थित डीएफसीसी रेलवे ट्रैक पर शनिवार को एक अज्ञात युवती का शव बरामद हुआ था।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन शुरुआती तौर पर पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से पोस्टर जारी कर लोगों से पहचान में सहयोग की अपील की थी।

इसी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी बेटी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। 11 जनवरी को रेलवे ट्रैक पर युवती का शव मिलने की जानकारी मिलने पर परिजन रेलवे पुलिस चौकी और झींझक चौकी पहुंचे, जहां उन्होंने शव की पहचान अपनी बेटी के रूप में की। मृतका के पिता ने मंगलपुर थाना पुलिस को तहरीर देकर गांव के ही सचिन राजपूत और उसके परिजनों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

मंगलपुर थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

FOLLOW UP

यूपी में कौन हैं सतुआ बाबा बने हैं चर्चा का केंद्र ?

3 करोड़ रुपए की गाड़ी से चलने वाले बाबा के सीएम योगी आदित्यनाथ सहित कई मंत्रियों और अधिकारियों से खास संबंध

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। ललितपुर के रहने वाले संतोष तिवारी ने महज ग्यारह वर्ष की उम्र में घर छोड़कर अध्यात्म का मार्ग चुना। अध्यात्म के रास्ते पर निकले तो नाम भी बदला और संतोष तिवारी, संतोष दास हो गए। समय के साथ उनका कद बढ़ता गया। विष्णु संप्रदाय से जुड़े संतोष दास को यमुनाचार्य महाराज के निधन के बाद सतुआ पीठ की जिम्मेदारी सौंपी गई और वे जगतगुरु महामंडलेश्वर सतुआ बाबा कहलाए। संतोष तिवारी से सतुआ बाबा बनने की यह यात्रा कई मायनों में अजय सिंह बिष्ट के योगी आदित्यनाथ बनने की कहानी से मिलती-जुलती मानी जाती है, फर्क सिर्फ संप्रदाय का है। बताया जाता है कि सतुआ पीठ की नींव रणछोड़ दास नामक संत ने रखी थी, जो गुजरात से बनारस आए थे और मणिकर्णिका घाट पर भूखे लोगों को सत्तू खिलाते थे। उसी परंपरा की गद्दी आज सतुआ बाबा के पास है।

राजनीतिक गलियारों में सतुआ बाबा को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सबसे भरोसेमंद व्यक्ति बताया जाता है।

वे हमेशा साथ रहते हैं, लेकिन अब तक सार्वजनिक चर्चा से दूर थे। हाल के घटनाक्रमों ने इस चुप्पी को तोड़ा है।

माघ मेले में सतुआ बाबा का तीन करोड़ की डिफेंडर गाड़ी से पहुंचना, मुख्यमंत्री योगी का उनके आश्रम जाना और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का प्रयागराज के जिलाधिकारी पर कटाक्ष करते हुए यह कहना कि सतुआ बाबा की रोटियां बेलने की बजाय काम पर ध्यान दो — इन तीनों घटनाओं ने सियासी संकेतों को हवा दे दी है।

संप्रदायों में अपने भरोसेमंद व्यक्ति को गद्दी सौंपने की परंपरा रही है। ऐसे में राजनीतिक विश्लेषकों के बीच यह सवाल उठने लगा है कि यदि योगी आदित्यनाथ को भविष्य में दिल्ली की जिम्मेदारी मिलती है, तो उत्तर प्रदेश की सत्ता किसके हाथों सौंपी जाएगी। सतुआ बाबा की बढ़ती सक्रियता और सत्ता के केंद्रों में उनकी मौजूदगी को इसी संभावित उत्तराधिकार की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

» बाबा की बढ़ती लोकप्रियता और सत्ता के संकेत से हलचल तेज

फिलहाल ये संकेत हैं, औपचारिक घोषणा नहीं। लेकिन मठ, संप्रदाय और सत्ता के इस संगम में सतुआ बाबा का नाम अब अनदेखा नहीं किया जा सकता।

माघ मेले में तीन हजार करोड़ के कारोबार का अनुमान

44 दिन में 15-20 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। माघ मेले में तीन हजार करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। 44 दिन तक चलने वाले मेले में 15 से 20 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। पांच लाख लोगों को रोजगार मिल सकता है। अयोध्या, वाराणसी और अन्य धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से वहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है।

महाकुंभ की तरह माघ मेला श्रद्धा के साथ ही व्यापार का भी बड़ा केंद्र बनकर उभर रहा है। संगम तट पर लगने वाला यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि इससे स्थानीय और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी व्यापक संबल मिलता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, 44 दिनों तक चलने वाले माघ मेले में लगभग 15 से 20 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है जिससे करीब तीन हजार करोड़ रुपये के कारोबार और पांच लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने का अनुमान है।

मेला शुरू होने से लगभग एक माह पूर्व और समापन के बाद तक निर्माण, परिवहन, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वच्छता, व्यापार और प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होता है। मेला क्षेत्र में टेंट, पंडाल, मंच निर्माण, होटल, धर्मशाला, ट्रैवल ऑपरेटर, गाइड, रेस्टोरेंट, ढाबे, फल-सब्जी, फूल-माला, पूजा सामग्री, मिठाई-नमकीन, पानी व पेय पदार्थ आपूर्तिकर्ता, हस्तशिल्प कारीगर, नाविक और तीर्थ पुरोहितों की गतिविधियां संचालित होती हैं।

जानकारों के अनुसार मेले में आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु औसतन दो से तीन हजार रुपये यात्रा, भोजन, ठहराव, दान-पुण्य और खरीदारी पर खर्च करता है। इसका सीधा लाभ न केवल प्रयागराज, बल्कि 150 किमी के दायरे में शहरों और कस्बों को भी मिलता है। अयोध्या, वाराणसी और अन्य धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से वहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है।तीन बार माघ मेला अधिकारी रह चुके सेवानिवृत्त जितेंद्र कुमार के अनुसार मेला रोजगार के लिहाज से एक बड़ा अवसर है। अलग-अलग सेक्टरों में लाखों लोगों को काम मिलता है और करोड़ों रुपये का कारोबार होता है।जनपद महिला व्यापार मंडल की कोषाध्यक्ष वंदना त्रिपाठी का कहना है कि माघ मेले के दौरान होटल, परिवहन, रेस्टोरेंट, फल-सब्जी और मिठाई सहित सभी प्रकार के कारोबार में सामान्य दिनों की तुलना में कहीं अधिक बढ़ोतरी दर्ज की जाती है।ई-रिक्शा व ऑटो यूनियन के महामंत्री रमाकांत रावत के अनुसार जिले में 25 से 30 हजार ई-रिक्शा और ऑटो संचालित हैं, जिनकी औसत दैनिक आय लगभग एक हजार रुपये रहती है। इस हिसाब से 44 दिनों में परिवहन क्षेत्र से ही करीब 132 करोड़ रुपये की आमदनी का अनुमान है।

नियम गया स्वागत में, अयोध्या में चला सत्ता का 'पोस्टर राज'

सत्ता का चश्मा और नियमों की बलि

» आम आदमी पर चालान, नेताओं पर फूल-मालाएं, नगर निगम के नियम हुए बेअसर

» निगम के दरवाज़े पर नियमों की हत्या, सत्ता के बैनरों ने उड़ाया कानून का मज़ाक

समीर शाही स्वराज इंडिया

अयोध्या। नियम के मामले में अयोध्या नगर निगम सत्ता पक्ष का चश्मा लगाए बैठा नजर आता है। हालात यह हैं कि जो नियम आम आदमी के लिए डंडा बनते हैं, वही नियम सत्ता के सामने आते ही कागज़ बनकर उड़ जाते हैं। अभी कुछ ही दिन पहले नगर निगम ने बड़े जोर-शोर से एलान किया था कि रामपथ समेत नगर निगम क्षेत्र की किसी भी मुख्य सड़क पर बिना अनुमति पोस्टर-बैनर लगाए गए तो कड़ी कार्रवाई होगी। नियम साफ था चिन्हित स्थानों के अलावा कहीं भी बैनर लगाना मना, और उल्लंघन पर भारी जुर्माना तय। इस सख्ती का असर यह हुआ कि आम दुकानदार अपनी दुकान का छोटा सा बोर्ड लगाने से भी सहम गया।

लेकिन जैसे ही प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के स्वागत की तैयारी शुरू हुई, नगर निगम के सारे नियम-कायदे हवा में उड़ गए। स्वागत की होड़ में मर्यादा और व्यवस्था को खुलेआम कुचल दिया गया। नियमों की वही किताब, जो आम आदमी के लिए धर्मग्रंथ बन जाती है, सत्ता के लिए रद्दी साबित हुई। नगर निगम दफ्तर के पास ही नियमों का मज़ाक हद तो तब हो गई जब नगर निगम दफ्तर से महज़ 100 मीटर की दूरी पर स्थित चौराहे को भी नहीं बख्शा गया।

जिस दफ्तर से पोस्टर-बैनर हटाने और चालान काटने के आदेश निकलते हैं, उसी के आसपास नेताओं के स्वागत में ऐसा बैनर युद्ध छेड़ा गया कि पूरा इलाका विज्ञापनों से पट गया। विधायक, मेयर, जिला पंचायत अध्यक्ष से लेकर दिग्गज नेताओं और कार्यकर्ताओं की तस्वीरों वाले ये होर्डिंग मानो नगर निगम के नियमों पर ठहाके लगा रहे हों। सत्ता पक्ष के नेताओं को शायद यह डर भी नहीं रहा कि कम से कम उसी विभाग की इज्जत का तो ख्याल कर लें, जिसने ये नियम बनाए हैं।

इस मनमानी के वीडियो, फोटो और लोकेशन के साथ पुख्ता सबूत जुटाए गए हैं, ताकि सिस्टम जिम्मेदारी से भाग न सके। सवाल यह नहीं कि नियम टूटे या नहीं सवाल यह है कि नियम किसके लिए टूटे और किसके लिए बने ही नहीं।

नगर आयुक्त को जानकारी नहीं

जब इस पूरे मामले पर नगर आयुक्त से फोन पर बात की गई, तो जवाब था। कि अभी हम बाहर हैं, हमें जानकारी नहीं है।

अगर ऐसा कुछ दिखेगा तो कार्रवाई की जाएगी। यह जवाब सुनकर जनता हैरान है। जो नजारा पूरे शहर को दिख रहा है, जो बैनर नगर निगम दफ्तर के बाहर लहरा रहे हैंउसकी जानकारी जिम्मेदार अधिकारी को नहीं होना लापरवाही नहीं तो और क्या है? क्या कार्रवाई सिर्फ़ कमजोरों पर? जब वीडियो फुटेज और फोटो सबूत मौजूद हैं, तो क्या नगर निगम में इतना दम है कि वह अपने ही मेयर, विधायक और सत्ता पक्ष के दिग्गज नेताओं पर कार्रवाई कर सके? या फिर नियम आम जनता के चालान काटने के लिए हैं?

रामनगरी में भगवा रसूख के साये में भूमाफियागिरी !

» बीजेपी जिला महामंत्री पर अवैध प्लॉटिंग, कब्ज़े का आरोप

» श्रीआदित्यनाथ गौ सेवा समिति के संरक्षक ने खोला मोर्चा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में धर्म और कानून की प्रतिष्ठा पर सवाल खड़े करने वाला सनसनीखेज़ खुलासा सामने आया है। श्री आदित्यनाथ गौ सेवा समिति के संरक्षक महंत सन्त दास उर्फ राजेश सिंह 'मानव' ने प्रेसवार्ता कर आरोप लगाया कि रामनगरी में 'भगवा रसूख' की आड़ में अवैध प्लॉटिंग, जबरन कब्ज़े और खौफ का काला खेल चल रहा है। उनके अनुसार, मौजा जनौरा क्षेत्र में 14 कोसी परिक्रमा मार्ग से सटी बहुमूल्य ज़मीनों पर बीजेपी के जिला महामंत्री राघवेंद्र नारायण पांडेय पर मानक-विरुद्ध कॉलोनी निर्माण और दबंगई के गंभीर आरोप हैं।

राजेश सिंह 'मानव' द्वारा अयोध्या विकास प्राधिकरण को भेजे गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि राम मंदिर निर्माण के बाद उभरे रियल एस्टेट उफान को निजी लूट में बदला जा रहा है, जबकि प्रशासनिक तंत्र मौन साधे हुए है। आरोपों में सार्वजनिक व धार्मिक स्थलों तक पर कब्जे, विवादित गाटों की खुलेआम बिक्री और भय के माहौल की बात कही गई है। सवाल सीधा है क्या राजनीतिक रसूख कानून से ऊपर है, या रामनगरी में भी न्याय की कसौटी बदली जा रही है?

महंत सन्त दास

डॉ0 रजनीश सिंह

सारे आरोप निराधार

बीजेपी जिला महामंत्री राघवेंद्र नारायण पांडेय का कहना है कि सारे आरोप निराधार है। राजेश सिंह मानव का यह आरोप मानिसक बीमारी का पर्याय है।

अनर्गल टिप्पणी नहीं करनी चाहिए

शिकायतकर्ता को मानसिक बीमार कहने पर बीजेपी नेता डॉ. रजनीश सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देखिए, शिकायती पत्र सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुआ है। आरोप गंभीर हैं, लेकिन वे सत्य हैं या असत्य यह तथ्यों को कसौटी पर कसे जाने के बाद ही स्पष्ट होगा।

यदि प्राथमिकी वर्ष 2018 की है, तो उसकी वर्तमान स्थिति क्या है ? और 2018 से अब तक की चुप्पी अपने आप में संदेह खड़ा करती है। बिना एफआईआर की प्रति देखे मैं कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं हूँ। हाँ, किसी को मानसिक रोगी बता देना स्वयं की मानसिक बीमारी का संकेत देता है। ऐसे हल्के और गैर-जिम्मेदार बयानों से बचना चाहिए तथा किसी पर अनर्गल टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

आध्यात्मिक संत, दार्शनिक व समाज सुधारक थे स्वामी विवेकानंद

राष्ट्रीय युवा दिवस पर सरस्वती विद्या मंदिर में पूर्व छात्र परिषद का भव्य समागम, मेधावी छात्रों का सम्मान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, अयोध्या में पूर्व छात्र परिषद के तत्वावधान में धूमधाम से हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा, राष्ट्रवाद और युवा चेतना का प्रभावशाली संगम देखने को मिला।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम अयोध्या के प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे केवल एक संत ही नहीं, बल्कि महान दार्शनिक और समाज सुधारक थे, जिन्होंने वेदांत और योग दर्शन को वैश्विक पहचान दिलाई। उन्होंने 1893 के शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन में भारत की आध्यात्मिक चेतना को विश्व पटल पर स्थापित किया।

विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. पवन कुमार तिवारी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत का संदेश आज के युवाओं के लिए पथप्रदर्शक है। महानगर संघचालक डॉ. विक्रमा प्रसाद पाण्डेय ने कहा शिक्षा ही सशक्त राष्ट्र की नींव है और विवेकानंद का चिंतन आज भी उतना ही प्रासंगिक है। अतिथियों का स्वागत विद्यालय के प्रधानाचार्य अवनी कुमार शुक्ल ने किया। पूर्व छात्र परिषद की ओर से वरिष्ठ शिक्षकों गणित शिक्षक लल्ला सिंह, हिंदी शिक्षक रामजी पाण्डेय एवं रामेंद्र मिश्रा को सम्मानित किया गया। साथ ही मेधावी छात्रों तथा खेल, कला एवं विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

इसरो के 2026 के पहले ऑर्बिटल मिशन को बड़ा झटका

ऑर्बिट में नहीं पहुंच पाई 'अन्वेषा' सैटेलाइट

PSLV-C62 मिशन फेल

स्वराज इंडिया न्यूज

श्रीहरिकोटा / नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) को 2026 के अपने पहले और बेहद अहम ऑर्बिटल मिशन में बड़ा झटका लगा है। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया PSLV-C62 रॉकेट सफलतापूर्वक उड़ान भरने के बावजूद अपने मुख्य लक्ष्य को हासिल नहीं कर सका। मिशन के तहत ऑर्बिट में स्थापित किया जाने वाला अत्याधुनिक 'अन्वेषा' (EOS-Nv) सैटेलाइट तकनीकी खराबी के चलते तय कक्षा में तैनात नहीं हो पाया।

यह असफलता ऐसे समय पर सामने आई है, जब इसरो लगातार सफल मिशनों के जरिए वैश्विक अंतरिक्ष एजेंसियों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा था। मिशन फेल होने के बाद इसरो प्रमुख ने कहा कि "तीसरे स्टेज के दौरान तकनीकी समस्या आई, जिससे रॉकेट की दिशा बदल गई। पूरे मिशन डेटा का गहन विश्लेषण किया जा रहा है। जल्द ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी"। हालांकि इसरो का संकेत है कि तीसरे स्टेज और कंट्रोल सिस्टम की गहन जांच करने के बाद सुधारात्मक कदमों के बाद अगली लॉन्चिंग की तैयारी की जाएगी। इसरो का भरोसा है असफलता से सीख लेकर मिशन और मजबूत होंगे।

क्या होता इस सेटेलाइट का उपयोग

यह सेटेलाइट रणनीतिक व रक्षा निगरानी, पर्यावरण और कृषि अध्ययन, प्राकृतिक संसाधनों की हाई-रिज़ॉल्यूशन मैपिंग राष्ट्रीय सुरक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए बेहद अहम साबित होती।

क्या-क्या हुआ मिशन में

- PSLV-C62 का फर्स्ट लॉन्च पैड से सफल प्रक्षेपण
- पहले और दूसरे स्टेज पूरी तरह सामान्य
- तीसरे स्टेज में तकनीकी गड़बड़ी दर्ज
- रॉकेट की दिशा में अनियंत्रित परिवर्तन
- चौथा स्टेज में सैटेलाइट सेपरेशन की पुष्टि नहीं
- तीसरे स्टेज के बाद टेलीमेट्री डेटा अनियमित

अन्वेषाः एक नजर

- मिशन नाम: EOS-Nv 'अन्वेषा'
- DRDO द्वारा विकसित, ISRO के सहयोग से लॉन्च
- अत्याधुनिक हाइपरस्पेक्ट्रल अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट

ईरान में महिलाओं ने बुर्का उतारकर खोला मोर्चा, खामनेई की इस्लामिक सत्ता पर उठाया सवाल

स्वराज इंडिया न्यूज

- प्रदर्शनकारियों ने बैनर और प्लेकार्ड पर लिखा, हमारी आज़ादी, हमारा अधिकार

तेहरान। ईरान की राजधानी और अन्य बड़े शहरों में महिलाओं ने साहसिक कदम उठाते हुए सार्वजनिक रूप से बुर्का उतारकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। यह विरोध केवल धार्मिक प्रतिबंधों के खिलाफ नहीं बल्कि राजनीतिक सत्ता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की मांग को लेकर है।

सूत्रों के अनुसार, तेहरान के कई इलाकों में महिलाएं खुलेआम अपने चेहरे और सिर को ढकने वाले बुर्का उतारती हुई नजर आईं। कई प्रदर्शनकारियों ने बैनर और प्लेकार्ड पर लिखा, हमारी आज़ादी, हमारा अधिकार और हमारी आवाज़ दबाई नहीं जा सकती। सोशल मीडिया पर भी महिलाओं ने अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा कर समर्थन जुटाया। इनमें से कई ने खुद के अनुभव साझा किए हैं कि कैसे उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर सख्ती और दबाव का सामना करना पड़ता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रदर्शन ईरानी समाज में लंबे समय से चल रहे धार्मिक और राजनीतिक नियंत्रण के खिलाफ महिलाओं की बढ़ती असहमति का संकेत है।

ईरान में पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं के अधिकार और सार्वजनिक जीवन में उनकी स्वतंत्रता पर कई प्रतिबंध लगाए गए हैं। खासकर बुर्का और हिजाब पहनने को अनिवार्य किया गया है। इसके उल्लंघन पर जुर्माना, गिरफ्तारी और जेल तक की सजा हो सकती है। इसके बावजूद महिलाएं अब खुलकर आवाज़ उठा रही हैं, जो देश की राजनीति और सामाजिक ताने-बाने में बड़ा बदलाव ला सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह केवल धार्मिक नियमों के खिलाफ विरोध नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर खामनेई की सत्ता और सरकार की कठोर नीतियों पर सवाल उठाने जैसा कदम है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने दबाव और दमन जारी रखा, तो प्रदर्शन और व्यापक रूप ले सकता है। इस विरोध ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान आकर्षित किया है। मानवाधिकार संगठनों और वैश्विक मीडिया ने ईरानी महिलाओं के साहस और उनके अधिकारों की लड़ाई की सराहना की है।

केजीएमयू बवालः संयुक्त समिति का अल्टीमेटम, ओपीडी बंद करने की चेतावनी

- विश्वविद्यालय की संयुक्त समिति ने कहा, अपर्णा यादव की कार्यप्रणाली से प्रदेश सरकार की छवि धूमिल हुई

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में हाल ही में हुए विवाद ने अब गंभीर रूप ले लिया है। विश्वविद्यालय की संयुक्त समिति ने राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि उनकी गतिविधियों से प्रदेश सरकार की छवि धूमिल हुई है।

समिति ने स्पष्ट किया कि अपर्णा यादव के साथ आए उपद्रवियों ने कुलपति सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया और विश्वविद्यालय परिसर में अराजकता फैलाई। समिति ने इसे शैक्षणिक माहौल और प्रशासनिक कार्यप्रणाली के लिए खतरा बताया है।

एफआईआर नहीं होने पर चेतावनी

संयुक्त समिति ने यह भी कहा है कि घटना के 72 घंटे बीत जाने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई, जो बेहद चिंताजनक है। समिति ने चेतावनी दी कि अगर अगले 24 घंटे के भीतर प्राथमिकी दर्ज नहीं होती है, तो आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर केजीएमयू की बाह्य रोगी सेवा (ओपीडी) को बंद रखा जाएगा। इससे पहले, केजीएमयू के मुख्य प्रॉक्टर ने चौक कोतवाली में अभद्रता, नारेबाजी, तोड़फोड़ और चोरी के आरोपों को लेकर तहरीर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं।

स्वराज इंडिया
Swaraj India
10 Jan 2026 - Page 7
स्वराज इंडिया || अपना प्रदेश || 07

अपर्णा यादव पर केजीएमयू प्रशासन ने लगाए गंभीर आरोप

- केजीएमयू प्रशासन ने उनके साथ आए लोगों पर अभद्रता, नारेबाजी, तोड़फोड़ और चोरी जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए चौक कोतवाली में तहरीर दी
- मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब देर शाम अपर्णा यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिली

घटना के बाद, अपर्णा यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इसके बाद, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान भी मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचीं। इस मुलाकात को राजनीतिक गलियारों में घटनाक्रम की संवेदनशीलता के रूप में देखा जा रहा है। केजीएमयू में लगातार सामने आ रहे आरोप और प्रशासनिक चेतावनियों ने स्वास्थ्य सेवाओं और शैक्षणिक व्यवस्था पर गंभीर असर डाल दिया है। विश्वविद्यालय की ओपीडी बंद होने की संभावना ने छात्रों, कर्मचारियों और मरीजों में चिंता बढ़ा दी है।